वार्तालाप नं.497, मंगलदेई (अस्साम), दिनांक 22.01.08
Disc.CD No.497, dated 22.01.08 at Mangaldei, (Assam)

समयः 00.05-00.58

जिज्ञासुः- बाबा बुद्ध धर्म में जैसा ग्रैण्डफादर 3-4 (सौ) साल बाद जन्म लेते हैं, मुसल्मान धर्म में भी सेम है क्या ?

बाबा- जब तक उनके धर्म की जनसंख्या न बढ़ जाये, धर्मपिता तो अकेला आता है। उनके पीछे-2 जो ऊपर से आत्मायें आती हैं वो फालोअर्स हैं, उस धर्म में आने वाली हैं। तो जब तक उनकी जनसंख्या बहुत ज्यादा न हो जाए तो राजाई किसके ऊपर करेंगे। जब उनकी धर्म की, धर्म की फालोअर्स की बहुत जनसंख्या हो जाती हैं तब फिर जो मनुष्य सृष्टि का बाप है और उनके जो बच्चे हैं पहलौटी के वो उस धर्म में जाकर के जन्म ले लेते हैं। वहाँ जाकर जन्म लेकर के राजाई स्थापन करते हैं।

जिज्ञासु - एक टाईम।

बाबा – एक बार।

Time: 00.05-00.58

Student: Baba, for example, in Buddhism, the grandfather [of the religious father] is born after 3-4 (hundred) years [in that religion], is it the same in the Muslim religion?

Baba: Until the population of their religion increases a lot…; the religious father comes alone. The souls which come behind him from above are the followers; they enter that religion. So, until their population increase very much, who will they rule upon? When the population of their religion, their followers increases a lot, the Father of the human world and his foremost children go and take birth in that religion. They take birth there and establish kingship.

Student: One time.

Baba: Once.

समयः 01.05-02.15

जिज्ञासुः- बाबा भक्तिमार्ग के चित्र में दिखाई देता है लक्ष्मी देवी के नीचे ना उल्लू बिठा दिया है। तो उल्लू किसकी तरफ इशारा करता है?

बाबा – लक्ष्मी जो है - इस दुनिया में जो धन के पीछे जो पड़ते हैं वो उल्लू हैं। उनकी बुद्धि जमीन की तरफ लगी हुई हैं। ऊपर वाला आया हुआ हैं, ज्ञान दे रहा है, ऊपर ले जावेगा इस तरफ उनकी बुद्धि जाती ही नहीं। तो लक्ष्मी उनके ऊपर सवारी करती है। लक्ष्मी की सवारी है उल्लुओं के ऊपर।

जिज्ञासु – और सरस्वती हंस के ऊपर?

बाबा – और सरस्वती हंस के ऊपर सवार है। जो हंस बुद्धि है। क्या? नीर-छीर विवेकी है, क्या ग्रहण करना चाहिए, क्या ग्रहण नहीं करना चाहिए - ऐसी जिनकी बुद्धि है, ऐसों के ऊपर सरस्वती विराजमान है।

जिज्ञासु – और गणेश ।

बाबा – हाँ, गणेश जैसी जो आत्मायें हैं वो ऐसी आत्माओं के ऊपर सवारी करती हैं जो अंदर ही अंदर-अंदर ही अंदर सारा घर खोखला कर देता है।

Time: 01.05-02.15

Student: Baba, in a *bhaktimarg* picture, an owl is shown sitting below Lakshmi Deity. So, what does the owl indicate?

Baba: As regards Lakshmi; those who run after wealth in this world are owls. Their intellect is directed towards the Earth. The above one (i.e. God) has come; He is giving knowledge; He will take us above; their intellect does not think in this direction at all. So, Lakshmi rides upon them. Lakshmi rides on the owls.

Student: And what about Saraswati sitting on a swan?

Baba: And Saraswati is sitting on a swan. Those who have a swan-like intellect; what? Those who are conscious of the difference between water and milk; what should they assimilate and what they should not – Saraswati rides upon the ones whose intellect is like this.

Student: And what about Ganesh?

Baba: Yes, Ganesh like souls ride upon such souls which make the entire house hollow (*khokhla*) from inside.

समयः 02.25-03.20

जिज्ञासुः- सब देवी-देवता युगल दिखाते हैं। लक्ष्मी का युगल नारायण है। तो सरस्वती का युगल नहीं है क्या?

बाबा – सरस्वती को ब्रह्मा के साथ ही तो दिखाते हैं। ब्रह्मा है इस सृष्टि पर पहले है। ब्रह्मा के द्वारा सृष्टि रची गई। जब ब्रह्मा ही अकेला, और कोई है ही नहीं तो किसको युगल बनावेंगे?

जिज्ञासु – बेटी ब्रह्मा की।

बाबा – एक्चुअली ये तो बेहद की सृष्टि है ना। कोई खून की औलाद थोड़े ही है। ये तो ज्ञान की औलाद है। तो सरस्वती को निमित्त बनाया और उससे बच्चे पैदा हुए। कोई हद का संबंध है क्या? बेहद का संबंध है, ज्ञान का संबंध है। फिर शास्त्रों में ग्लानि कर दी है कि ब्रह्मा अपनी बेटी पर फिदा हुआ। अरे, ब्रह्मा बेटी पर फिदा थोड़े ही हुआ, बेटी के गुणों पर फिदा हुआ।

Time: 02.25-03.20

Student: All the deities are shown in couple form. Lakshmi’s husband is Narayan. So, does Saraswati not have any husband?

Baba: Saraswati is shown along with Brahma. Brahma is the first one on this Earth. The world was created through Brahma. When Brahma is alone; when there is none else, then whom will he adopt as wife?

Student: She was the daughter of Brahma.

Baba: Actually, it is a creation in an unlimited sense. It is not a physical progeny. They are children from the point of view of knowledge. So, Saraswati was made an instrument and children were born from her. Is it a relationship in a limited sense? It is a relationship in an unlimited sense; it is a relationship of knowledge; so there is defamation in the scriptures that

Brahma lost his heart to his daughter. Arey, Brahma did not lose his heart to his daughter; he lost his heart to the daughter's virtues.

समयः 17.24-19.10

जिज्ञासुः- अशोक राजा कौन है?

बाबा- अशोक राजा तो हिस्ट्री में हुआ हैं। जिसने हिन्दू धर्म को त्याग कर के बौद्ध धर्म अपना लिया था। **जिज्ञासु** – अशोक के धर्म से... शेरवाला चित्र।

बाबा – अशोक राजा ने अशोक की लाटें बनवाई क्योंकि जो बौद्ध धर्म के लोग हैं उनमें प्योरिटी जास्ती होती है। सन्यासियों से भी ज्यादा पुराने बौद्धी लोग हैं और जो धर्म जितना ज्यादा पुराना होता है वो उतना ज्यादा वो पावरफुल होता है। तो भारत के जो भी धर्म है पवित्रता को पालन करने वाले उनमें सबसे पुराना विदेशी धर्मों में बौद्ध धर्म ही है। बौद्ध धर्म की जो आत्मायें हैं वो बुद्धि की सात्विक हैं। उन्होंने ब्रह्मचर्य को बहुत पालन किया हैं। बौद्धी अभी भी कितने लम्बे-चौड़े हट्टे-कट्टे होते हैं। कोई कमाई करते हैं क्या? बौद्धी कुछ कमाई करते देखे जाते हैं? कोई कमाई नहीं करते। ऐसे घूमते रहते हैं। फिर भी उनकी परवरिश हो रही है। जैसे सतयुग में देवतायें कोई धंधा नहीं करते, फिर भी उनको खाने-पीने-रहने का सारा, सारा प्रबंध आटोमेटिकली होता हैं। तो ये प्योरिटी की पावर है। वो प्योरिटी की पावर जिस राजा में ज्यादा हुई है वो अशोक महान कहा गया। अशोक राजा उसने अपनी पवित्र बुद्धि से इस बात की (को) स्वीकार किया कि तीन शेर जो है वो इस संसार के, संसार रूपी जंगल को दहलाने वाले तीन शेर हैं जो भारत की विशेष यादगार हैं। वो है अशोक की लाट।

Time: 17.24-19.10

Student: Who is king Ashok?

Baba: Ashoka was a king in the history who renounced Hinduism and adopted Buddhism.

Student: From the religion of Ashoka the picture of the lions……

Baba: King Ashoka built the edicts (*lat*) of Ashoka… because the people belonging to Buddhism have more purity. Buddhists are older than *Sanyasis* and the older a religion is, the more powerful it is. So, among all the religions of India which follow purity, the oldest one among the *videshi* (foreign[1]) religions is Buddhism itself. Souls belonging to Buddhism have a pure intellect. They practiced celibacy a lot. Buddhists are so tall and physically strong even to this day. Do they [work to] earn anything? Are the Buddhists seen earning anything? They do not earn anything. They simply keep roaming. Even so they are being nourished. For example, deities do not do any business in the Golden Age; still all the arrangements for their food and living are made *automatically*. So, this is the *power of purity*. The king who inculcated this power of purity more was called Ashoka the great. King Ashoka accepted through his pure intellect that the three lions of this world…, the three lions who shake this jungle-like world with their roars are the special memorials of India. That is Ashoka's edict.

---

[1] with respect to its spread in the present day world

समयः 21.13-23.15

जिज्ञासुः- बाबा माताजी बोल रही है सतयुग आने का कितना टाईम है।

बाबा – संगमयुग का कितना टाईम है?

जिज्ञासु – सतयुग आने में कितना समय है?

बाबा - संगमयुग पूरा होगा तो सतयुग आयेगा कि नहीं? संगमयुग का कितना टाईम है? अरे, 27 साल है ना। 27 साल पूरे होंगे तो संगमयुग पूरा हो जायेगा। संगमयुग पूरा होगा तो सतयुग शुरू हो जायेगा पक्का-पक्का।

जिज्ञासु – माताजी सोच रही थी कि सतयुग में हम आयेंगे क्या? चिंता हो रहा कि हम आयेंगे क्या?

बाबा – अगर अब तक शरीर निरोगी है और चलता-फिरता है तो आगे भी चल सकता हैं। ये तो धारणा की बात है ना।

जिज्ञासु – माताजी हम इतने साल रहेंगे कि नहीं?

बाबा – संशय क्यों पैदा करना? अभी कितनी साल की उम्र हैं?

जिज्ञासु – 74

बाबा – 74 नहीं तो मातायें 50 साल में ही लुंजुम-पुंजुम हो जाती हैं। तो 25 साल ये गुजार लिये 25 साल ओर भी गुजार सकते हैं।

Time: 21.13-23.15

Student: Baba, mataji is asking as to how much time is left for the Golden Age to arrive.

Baba: How much time is left in the Confluence Age?

Student: How much time is left for the Golden Age to arrive?

Baba: When the Confluence Age ends, will the Golden Age arrive or not? How much time is left in the Confluence Age? Arey, there are 27 years (still left). When 27 years are completed, the Confluence Age will be over. When the Confluence Age is over, Golden Age will definitely begin.

Student: Mataji was thinking: will I come in the Golden Age? She is worried whether she will come (in the Golden Age)?

Baba: If the body is healthy so far and is in a condition to walk and move, then it can continue in future too. This is about inculcation, isn’t it?

Student: Mataji is asking whether she will survive for so many years?

Baba: Why do you create a doubt? What is your age now?

Student: 74 years.

Baba: Mothers become weak not at the age of 74 but at the age of 50 itself. So, you have passed these 25 years; you can pass 25 more years.

समयः 30.08-38.42

जिज्ञासुः- बाबा भक्तिमार्ग में देवी उसके अंदर में घुस जाते हैं?

बाबा – देवी थोड़े ही घुस जाते हैं भूत-प्रेत घुस जाते हैं। वो भूत-प्रेत आपने को देवी कहते हैं।

जिज्ञासु – देवी को जो पूजते है संतोषी माँ, दुर्गा देवी, काली देवी।

बाबा – पूजा करते हैं। जो पुजारी भगत हैं ना वो जब देखते हैं कि किसी में आत्मा ने प्रवेश

कर दिया और वो कहती है मैं ये देवी हूँ, मै महाकाली हूँ, मैं दुर्गा हूँ। वो भूत-प्रेत आत्मायें घुस जाती हैं और वो भूत-प्रेत आत्मायें क्योंकि उनको तो शरीर का बंधन तो है नहीं........ मजमा लगाते है ना सड़क पर। लोग उस मजमें में किसी बच्चे को सुला देते हैं उसमें सोल प्रवेश करा दी। अब पूछते हैं इसके जेब में कितने रूपये हैं? वो सोल बता देती है इसके जेब में कितने रूपये हैं। तो वो सोल सूक्ष्म शरीर है ना। वो तो कहीं भी घुस सकती है।

Time: 30.08-38.42

Student: Baba, in the path of *bhakti*, [souls of] *devis* (female deities) enter in some people.

Baba: They are not *devis* who enter; they are the ghosts and spirits who enter; those ghosts and spirits call themselves as *devis.*

Student: The *devis* like *Santoshi Ma*, *Durga Devi*, *Kali Devi* (names of female deities) are worshipped.

Baba: They are worshipped. When the priests, the devotees see that a soul has entered in someone and it says – I am this *Devi*, I am *Mahakali*, I am *Durga*, they are the ghosts and spirits who enter and because those ghosts and spirits do not have the bondage of the body….. When a gathering is organized on the roadside, they make a child lie down in that gathering and make a soul enter in him. Then they ask – How much amount is in the pocket of this person (i.e. anyone from the audience)? That soul tells that there is a such and such amount in his pocket. So, that soul is a subtle body, isn't it? It can enter anywhere.

जिज्ञासु – वो देवी नहीं हैं?

बाबा – ना। भूत-प्रेत हैं। उनमें ये छोटी-छोटी शक्तियाँ हैं क्योंकि उनको सूक्ष्म शरीर हैं। देह का बंधन है नहीं और हम सबको देह का बंधन हैं। हम इन आँखों से ही देख सकते हैं। अभी हम प्रयत्न कर रहे हैं। क्या प्रयत्न कर रहे हैं? पुरूषार्थ कर रहे हैं कि इस देह के बंधन से हमारी आत्मा परे हो जाये। देह अलग दिखाई दे आत्मा अलग दिखाई दे। तब ये शक्ति आ जायेगी कि हम किसी में भी प्रवेश कर के उसकी बुद्धि को घुमाए सके।

जिज्ञासु – कोई-2 ऐसी बात बोलते हैं जो सच हो जाते हैं।

बाबा – बहुत सी बातें वो जानती हैं क्योंकि उनको सूक्ष्म शरीर हैं। ये कोई बड़ी बात नहीं है।

जिज्ञासु – प्रकाशमणि दादी।

बाबा – प्रकाशमणि वो भी सूक्ष्म शरीर धारण कर लिया ।

जिज्ञासु – कहाँ हैं?

बाबा – अपने ही इस्लामी ग्रुपस में हैं। जो उनका इस्लाम का ग्रुप हैं उन्हीं आत्माओं की सेवा करेगी। एड़वान्स में जो इस्लाम धर्म की बीजरूप आत्मायें हैं उन्हीं में प्रवेश कर के उनको काम करना है।

Student: Is it not a *Devi*?

Baba: No. They are ghosts and spirits . They too have little powers because they have a subtle body. They do not have the bondage of the body and we all have bondage of the body. We can see only through these eyes. Now we are makingtrying . What are we trying? We are making *purusharth* (spiritual efforts) so that our soul becomes free from the bondage of this body. The body should appear separate and the soul should appear separate. Then we will get the power to enter in anyone and mould his intellect.

Student: They speak some such things which turn out to be true.
Baba: They know many things because they have a subtle body. This is not a big thing.
Student: Prakashmani Dadi…...
Baba: Prakashmani also has assumed a subtle body.
Student: Where is she?
Baba: She is in her own Islamic group. She will serve the souls of her Islamic group. She has to enter the seed-form souls of Islam in the advance (party), and work through them only.

जिज्ञासु – ब्रह्मा की आत्मा काम कर रहा है उसमें।

बाबा – इसलिए तो ब्रह्मा बाबा ने बोला कि दादी हमारे साथ ज्यादा दिन नहीं रहेगी। 12-13 दिन रही और उसके बाद (बाबा ने कहा) जाओ अपने ग्रुप में तुम अपने ग्रुप में सेवा करो, हम अपने ग्रुप में सेवा करेंगे।

जिज्ञासु – ज्यादा दिन नहीं रहेगा मुरली में बोला?

बाबा – नहीं। संदेश में।

जिज्ञासु – गुल्जार दादी का आत्मा भी वैसा ही होगा?

बाबा – जो जिस कुल का होगा, जो जिस धर्म का होगा, जिस धर्म का उसको नारायण बनना होगा वो नारायण वाली आत्मा द्वापर में जब आयेगी तो वही धर्मपिता उसमें प्रवेश करेगा। वो तो वैसा ही बात करेगा ना।

Student: Brahma's soul is working in her.
Baba: This is why Brahma Baba said that *Dadi* will not live with us for more days. She stayed [with Brahma Baba in the subtle world] for 12-13 days and then he sent her [saying] – Go to your group and serve in your group; we will serve in our group.
Student: Was it said in the *Murli* that she will not stay for more days?
Baba: No, it was said in a [trance] message.
Student: The same thing will happen with Gulzar Dadi's soul also?
Baba: Whoever belongs to whichever clan; whoever belongs to whichever religion; he/she has to become Narayan of whichever religion, when soul of that Narayan comes in the Copper Age, the same religious father will enter in him. So, he will speak like that only, won't he?

जिज्ञासु – प्रकाशमणी दादी तो एड़वान्स का जो ज्ञान है वो तो.......

बाबा – नहीं स्वीकार किया। अंदर से जानती थी।

जिज्ञासु – एड़वान्स से जब आया प्रकाशमणी दादी ।

बाबा – एड़वान्स में नहीं आया। जीते जी शरीर रहते एड़वान्स में कहाँ आया?

जिज्ञासु – न मरने के बाद।

बाबा – शरीर छोड़ने के बाद जो उनको लोकलाज का बंधन था जिस बंधन से वो अपने संगी-साथियों को नहीं बता सकती थी कि एड़वान्स ज्ञान सच्चा हैं। वो शरीर छूट गया। अब उनको सच्चाई का पता चल गया। क्या सच्चा हैं, क्या झूठा हैं। सभी तो उनकी बाते नहीं मानेंगे कि उनका अधूरा ज्ञान हैं। इसलिए जो इस्लाम धर्म की जो बीजरूप आत्मायें हैं वो उनको करेगी।

Student: As regards the advance knowledge, Prakashmani Dadi….
Baba: She did not accept it. She knew it from within.
Student: When Prakashmani Dadi entered advance [knowledge].
Baba: She did not enter advance [knowledge]. She did not enter advance [knowledge] while being alive?
Student: No, after her death.
Baba: After leaving her body, the bondage of worldly honour, because of which she was not able to tell her companions that the advance knowledge is true; that body was gone. Now she came to know the truth as to what is true and what is false. Everyone will not accept her versions as her knowledge is incomplete. This is why the seed-form souls of Islam religion will support her.

जिज्ञासु – प्रकाशमणि दादी ---------सभी जाने, सभी बूझे किंतु उसे लोकलाज एक गुप्त बात है........

बाबा – लोकलाज का बंधन था उनको। जैसे रविन्द्र भाई - भट्ठी कर ली कम्पिल में। भट्ठी करने के बाद वो सीधे माउन्ट आबू गये और दादी से कहा दादी वो ज्ञान वहाँ बिल्कुल सच्चा है, बिल्कुल मुरलियों से मिलता-जुलता हैं सारी बातें सुनाई जा रही हैं और ये ज्ञान जो है बहुत फैल जायेगा और ये ब्रह्मा- कुमारी विद्यालय तो ठप हो जायेगा। दादी कुछ करना पड़ेगा। तो दादी कहती है जगदीश भाई से बात करो इसका मतलब जगदीश भाई का बंधन था ना। जगदीश भाई दबोचे बैठे थे ना दादी को। वो लोकलाज का बंधन खलास हो गया।

Student: Prakashmani Dadi …… knew everything, but because of worldly honour/ (*loklaaj*) she kept it a secret .
Baba: She had the bondage of worldy honour. For example, Ravindra *bhai* [a PBK brother] underwent *bhatti* at Kampil. After completing the *bhatti*, he went straightaway to Mt. Abu and told [Prakashmani] *Dadi – Dadi*, the knowledge over there is completely true; everything that matches completely with *Murlis* is being said [there]; and this knowledge will spread a lot and this Brahmakumari Vidyalaya will fail. Dadi something will have to be done. So, *Dadi* said – Talk to Jagdish bhai [a BK brother, head of the literatures dept. at Mt.Abu]. It means that there was a bondage of Jagdish bhai, wasn't there? Jagdish bhai had kept *Dadi* in his clutches . That bondage of worldly honor ended [when she left her body].

जिज्ञासु – रमेश भाई ने भट्ठी किया?

बाबा – रमेश भाई नहीं, रविन्द्र भाई। रविन्द्र भाई भट्ठी करने के बाद सीधा माउन्ट आबू गये और दादी को कहा जाके कि दादी ये बहुत अनर्थ हो रहा हैं। ये ऑपिजिशन नहीं होना चाहिए ज्ञान का। लेकिन जगदीश भाई ने एक बात नहीं मानी। उनका सारा ज्ञान बेकार हो जाता। अगर जगदीश भाई एड़वान्स की बातों को मान ले तो उनका सारा अब तक का ज्ञान का वितंडावाद खड़ा किया हैं मोटी-मोटी पुस्तकें लिखी वो सब वो कोई नहीं मानेगा फिर। उनका मान-मर्तबा खलास हो जायेगा फिर। देहभान में आकर के उन्होंने सच्चाई को नहीं माना।

Student: Did Ramesh bhai do *bhatti*?

Baba: Not Ramesh bhai, it is Ravindra bhai. After completing his *bhatti*, Ravindra bhai went straightaway to Mt. Abu and said *Dadi – Dadi*, this is very bad thing that is happening . There should not be *opposition* of knowledge. But Jagdish *bhai* did not listen even a single word. [Had he accepted that the advance knowledge is true) all his knowledge would have gone waste. If Jagdish *bhai* accepts the topics of advance (party), then whatever controversies of knowledge that he has created, the fat books which he has written, nobody will accept them. His honour and reputation will perish. He did not accept the truth due to body consciousness.

जिज्ञासु- प्रकाशमणि दादी अंदर से पूरा मानती थी?

बाबा – गांधारी का जो शास्त्रों में मिसाल है आँखों पर पट्टी बाँध रखी थी। अंधी थी क्या? अंधी तो नहीं थी। अंदर से तो जानती थी सच्चाई क्या है। जानबूझकर के अंधी बनी हुई थी। न खुद देखना है न दूसरों को देखने देना है भगवान को। न खुद भगवान के पार्ट को पहचाना और न दूसरों को पहचानने देना।

Student: Did Prakashmani *Dadi* believe [the advance knowledge] from within completely?

Baba: The example of *Gandhari* which has been mentioned in the scriptures that she had tied a band over her eyes. Was she blind? She was not blind. She knew from within as to what the truth is. She had become blind deliberately. Neither did she want to see God herself nor did she want to allow others to see. Neither did she recognize the Father’s part nor did she let others to recognize.

जिज्ञासु – आजकल प्रकाशमणि दादी जोर से पुरूषार्थ करते हैं।

बाबा – पुरूषार्थ तो तब करेगी जब उनको शरीर होगा। उनका अपना शरीर कहाँ है जो उनका पुरूषार्थ बनेगा। वो तो जिस शरीर में प्रवेश करेगी उस शरीर का पुरूषार्थ बनेगा। जैसे ब्रह्मा की सोल जिस शरीर में अभी प्रवेश करती हैं चंद्रभाल बन के वो उसी का ही पुरूषार्थ होता हैं। सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा जो है वो प्रवेश जिसमें करती है पाप करती है तो पाप का बोझा शरीरधारी के ऊपर चढ़ता है या उस आत्मा के ऊपर चढ़ता है? किस के ऊपर चढ़ता है? शरीरधारी के ऊपर चढ़ता है। (जिज्ञासू- कुछ बोल रहे हैं) जगदीश भाई की भी आत्मा रिलाईज कर रही हैं शरीर छोड़ने के बाद कि हम शरीर रहते-रहते देहभान में इतना रहे कि हमने बाप को नहीं पहचाना। जब पहचाना ही नहीं तो प्रत्यक्ष कहाँ से करेंगे। मुगालते में रह गये। अभी वो आत्मा पछता रही है कि शरीर रहते-रहते हमने न बाप को पहचानने की कोशिश की देहभान में आकर के और न प्रतय्क्ष कर पाये। इस बात का उनको बहुत मलाल रहा कि हम तो ये बीड़ा उठाया कि हम तो बाप को प्रत्यक्ष कर के छोडेंगे। मनमानी तरीके से शास्त्र लिख के थोड़े ही प्रत्यक्ष कर लेंगे।

Student: Now-a-days Prakashmani *Dadi* is making *purusharth* (spiritual efforts) with force.

Baba: She will make *purusharth* only when she has a body. She does not have a body of her own to make *purusharth.* / It will be the *purusharth* of the body in which she enters . For example, the body in which Brahma’s soul enters at present in the form of *Chandrabhal* (the Moon on the forehead), the *purusharth* of that body takes place. If a subtle body soul enters

in someone and commits sins, does the burden of sins accumulates over the bodily being or on that soul? Who accumulates (the sins)? The sins are accumulated over/on the bodily being or the soul which has entered? On whom does it accumulate? It accumulates on the bodily being. (Students are saying something.) Even the soul of Jagdish *bhai* is realizing after leaving its body that while being in the body he was so body conscious that he did not recognize the Father. When he did not recognize the Father at all, how will he reveal Him? He remained confused. Now that soul is repenting, neither did I try to recognize the Father while being in the body due to body consciousness nor could I reveal. He has a great grief of this fact that he had taken up the responsibility to reveal the Father [but could not do so]. He cannot reveal [the Father] by writing scriptures in the way he wishes to.

जिज्ञासु – ब्रह्मा बाबा तो सब जानते हैं, सीज़न में........

बाबा – क्या ब्रह्माबाबा सब जानते हैं? ब्रह्मा बाबा अगर सब जानते तो फिर...

जिज्ञासु – नहीं आजकल तो जानते हैं ना।

बाबा – अगर आजकल जानते हैं तो गीता का भगवान कौन है साकार में सो बतायें। वो किसको मानते हैं गीता का भगवान?

जिज्ञासु – अपने को।

बाबा – अपने को ही भगवान माने तो हिरण्यकश्यप हुए ना।

जिज्ञासु – नहीं। सीज़न टाईम में जब ब्रह्मा बाबा गुल्जार दादी तन में आते है तब क्यों नहीं बताते कि सब झूठ हैं?

बाबा – तब उनको सूक्ष्म शरीर होता है। सूक्ष्म शरीर का बंधन है।

जिज्ञासु - ये ही बात बेसिक में तो विश्वास नहीं करेगा, नहीं बोलेगा, नहीं सुनेगा। बोलने से भी नहीं सुनेगा।

बाबा – लेकिन एड़वान्स में जो उनकी बीजरूप आत्मायें हैं इस्लाम धर्म की वो सपोर्ट करेगी।

Student: Brahma Baba knows everything, when he come during the season……...
Baba: What all does Brahma Baba know? Had Brahma Baba known everything….
Student: No, he knows it now-a-days, doesn't he?
Baba: If he knows it now-a-days then he should tell who the God of the Gita is in the corporeal form. Whom does he consider to be the God of the Gita?
Student: Himself.
Baba: If he considers himself to be God, he is a *Hiranyakashyap* (a demon who considered himself to be God), isn't he?
Student: No. During the season, when Brahma Baba comes in the body of Gulzar Dadi, why doesn't he tell that all this is false?
Baba: At that time he is in a subtle body. He has the bondage of the subtle body.
Student: They will not believe this very thing in the basic [knowledge], he will not speak this, they will not listen. Even if they are told, they will not listen.
Baba: But the seed-form souls in the advance [party] belonging to Islam will support her.

समयः 54.50-58.00

जिज्ञासुः- बाबा जो लास्ट जो साकार वाणी है ब्रह्मा बाबा के मुख से निकला गया उसका क्लारिफिकेशन होने के बाद बाबा का पार्ट गुप्त हो जायेगा क्या?

बाबा -अभी वो वाणियाँ मिले भी तो, जो ड़ायरेक्ट मुख से निकली हैं। मिल कहाँ रही हैं अभी? अभी ज्यादा-ज्यादा 15-20-25 वाणियाँ मिली हैं बस, कैसटें। जो पुरानी-पुरानी कैसटें हैं जब से टेपरिकॉर्डर शुरू हुआ है, पहले ड़ेग होती थी। ड़ेग में बड़ा-बड़ा वो धागा लपेटता जाता था चारों तरफ। वो मिले। ब्रह्मा बाबा के द्वारा सुनाया हुआ, फिर उसकी कापियाँ निकले प्रिन्ट में। इनमें तो सारा ही काट-पीट कर दी। पहले 5-5 पेज की वाणियाँ होती थी। एक वाणी पाँच पेज चलती थी अभी ढ़ाई पेज ही रह गई। सारा काट-पीट दिया। ओरिजनल चीज़ ही खत्म हो गई अभी तो। फिर ढ़ाई पेज में से जो थोड़ा बहुत बचा-बचाया मिल रहा है वो एड़वान्स नॉलेज निकल रहा है अभी ।

Time: 54.50-58.00

Student: Baba, will Baba play a secret part after the clarification of the last Sakar Vani that was spoken through the mouth of Brahma Baba?

Baba: We should [first] find those Vanis which have been narrated directly through the mouth. They aren't available now. Now at the most 15, 20, 25 Vanis have been found, that is all; [in the form of] cassettes. The old cassettes [that were recorded] ever since tape recorders started; earlier there used to be deck. A big thread used to be coiled all around the deck. That should be found. The one narrated through Brahma Baba. Then its copies should be issued in printed form. Everything has been cut in these (printed Murlis circulated at present). Earlier the vanis used to be up to five pages. One vani used to be five pages long; now only two and a half pages remain of that vani. Everything has been cut. Now the original version is no more [available]. . Now advance knowledge is emerging from whatever little left-over is being found in the form of two and a half pages.

जिज्ञासु – बाबा वो टेप मिलेगा कि नहीं?

बाबा – क्यों नहीं मिलेगा, मिलेगा। टाईम आयेगा तो मिलेगा। कोई-कोई के पास रखा होगा।

जिज्ञासु – उसके मन-बुद्धि में परिवर्तन आयेगा।

बाबा – एड़वान्स में आयेगा तो निकल पड़ेगा, सारा दे देगा।

जिज्ञासु – कोई भाई था ना बाबा उनके (पास) सारा मुरली था।

बाबा – वो जालंधर का जनकराज भाई।

जिज्ञासु – है कि नहीं बाबा वो?

बाबा – पता नहीं। उस समय फिर मना कर दिया कि हमने कुमारका दादी को नहीं दी हम आपको क्यों देंगे और आपकी बातें ही हमारी समझ में नहीं आ रही हैं। हमारा सरदर्द करने लगा आपकी बातें सुन के।

जिज्ञासु – वो बी.के में हैं?

बाबा – बी.के में था। अब पता नहीं क्या है, क्या नहीं।

जिज्ञासु- देना तो पडेगा ही। नहीं देने से एक कैसे होगा।

बाबा – वो नहीं देगा कोई दूसरा निकलेगा। वो भी निकलेगा पाकिस्तान में जो उन्होंने बक्स में दबा के रखी हुई हैं वो भी निकलेगी। वो पीयु की वाणी भी निकलेगी।

Student: Baba, will those tapes be found or not?
Baba: Why will it not be found? It will be found. It will be found when the time comes. It must be available with some people.
Student: There will be change in their mind and intellect.
Baba: If he/ enters the advance (knowledge), he will give everything.
Student: Baba, there was a brother who had all the murlis, wasn't there?
Baba: That Janakraj bhai of Jalandhar.
Student: Is [it available now with him] or not Baba?
Baba: I don't know. At that time he refused saying, 'When I did not give them to Kumarka Dadi why will I give them to you? And I am not able to understand your versions at all. My head started aching after listening to you.'
Student: Is he in BK?
Baba: He was in BK. I don't know what he is or isn't now.
Student: He will have to give. How will unity be established if he doesn't give?
Baba: If he does not give, someone else will emerge. Even that material will emerge which they have put in a box (a safe) and buried in Pakistan. That Piu's Vani will also emerge.

जिज्ञासु – मिट्टी के अंदर खराब नहीं होगा?

बाबा – लोहे के बक्से में दबाकर के रख दिया हैं कहीं।

जिज्ञासु – ये सब निकलेगा कब पीयु की वाणी?

बाबा – जब ड्रामा में होगा तब निकलेगा।

जिज्ञासु – ड्रामानुसार हो जायेगा।

बाबा – हाँ, ड्रामा में होगा तब निकलेगा।

जिज्ञासु – माताजी (को) जल्दी-जल्दी चाहिए।

बाबा – जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ पूरा करो तो जल्दी-जल्दी चाहना पूरी हो जायेगी।

Student: Will it not spoil in the mud?
Baba: They have put it in an Iron safe and buried it somewhere.
Student: When will all this Piu's vani emerge?
Baba: It will emerge when it is in the drama.
Student: It will happen as per drama.
Baba: Yes, it will emerge when it is destined in the drama.
Student: Mataji wants it [to happen] soon.
Baba: Complete your *purusharth* (spiritual efforts) soon; then your wishes will be fulfilled soon.

समयः 58.02-58.50

जिज्ञासुः- बाबा गोहाटी में ऐसे मारवाड़ी बड़े-बड़े सेठ हैं। उनको ज्ञान सुनाने के बाद, भगवान आने के बाद वो अभी सी.डी देखना चाहते हैं।

बाबा- दिखाओ। जनरल सी.डी हैं ना, जनरल कैसेटस जो जनरल ज्ञान की कैसेटस है ना वो उनको सुनाओ, दिखाओ। ये तो बहुत अच्छी सेवा हैं। उनमें से जो होंगे यज्ञ के आदि वाले वो निकल पड़ेगे।(किसी ने कुछ कहा) कैसेट सुनकर के अच्छे वारिसदार निकलते हैं। दक्षिण भारत में जो निकले हैं ना अच्छे-अच्छे वो सब कैसेट सुनकर के निकले हैं।

जिज्ञासु – जो समझ नहीं आया वो समझायेंगे।

बाबा - हाँ, जी।

Time: 58.02-58.50

Student: Baba, there are very rich Marwari (name of a Hindu sub-caste) businessmen in Guwahati. After I narrated the knowledge to them, after knowing about God's arrival, they want to see the CD.

Baba: Show them. There are general CDs, the general cassettes, aren't there? There are cassettes of the general [advance] knowledge. Play thosein front of them. This is a very good service. Among them those who belong to the beginning of the *yagya* will emerge. (Someone is saying something) Good, heir quality souls emerge after listening to the cassettes. The nice ones [children] that have emerged from Southern India have all emerged after listening to the cassettes.

Student: We will explain to them whatever they are unable to understand.

Baba: Yes.

समयः 59.47-01.00.26

जिज्ञासुः- वो गोहाटी के सेठ बोला आप जो सुना रहे है बात तो सही लग रहा है। तो वो अभी सी.डी देखने केलिए इन्ट्रेस्ट हो रहा है थोड़ा-थोड़ा। तब हमने बोला बाबा से पूछेंगे तब फिर देखेंगे।

बाबा- नहीं-नहीं। वो जनरल कैसेट जो है ना 20-25 है वो सुना दो। वही 20-25 कैसेट जो है केबल में चलाई गई हैं इधर-उधर। वही उनको सुनाओ। अब किसी ने सुनी नहीं ध्यान से। केबल में चलाई वो किसी ने सुनी, किसी ने अधुरी सुनी, किसी ने थोड़ी सुनी, किसी ने नहीं सुनी। उसका ज्यादा असर नहीं पड़ा लेकिन जो पूछ रहे हैं उनको बैठकर सुनायेंगे तो वो निकल आयेंगे। अच्छी सेवा हैं।

Time: 59.47-01.00.26

Student: That businessman from Guwahati said that the topics being narrated by you appear to be correct. So, now they are showing interest in watching the CDs to some extent. Then I said, 'I will ask Baba and then we can see'.

Baba: No, no. You can play those 20-25 *general cassettes*. Those 20-25 cassettes have been telecast on the cable here and there. Play the same in front of them. Well, nobody listened to them carefully. Those which were played on the Cable (TV), were heard by some; some heard it incompletely; some heard it to some extent; some did not listen. That did not have much effect. But if you sit and play (the cassettes) in front of those who are asking for it, then they will emerge (in knowledge). It is a good service.

समयः 01.02.18-01.02.57

जिज्ञासुः- बाबा माताजी बोल रही है चारों ओर जब हलचल शुरू हो जायेगा, विनाश के टाईम सीन-सीनरी ये हो जायेगा तो हम सब कैसे इकट्ठे होंगे?

बाबा – जब पाकिस्तान में हिंदूस्तान में लड़ाई हुई थी, खूंख्वार नदियाँ बही थी। तो ये कैसे इकट्ठे हो गये थे कराची में? 300-400 कैसे इकट्ठे हो गये थे? बता दिया पहली ट्रेन जिनको मिलनी थी सो मिल गई, पहुँचने थे सो पहुँच गये। बाबा ने बोला हैं ट्रंकाल आवेगा तुम्हें। आवाज आवेगी चलो।

जिज्ञासु – अवस्था बनना होगा?

बाबा – हाँ।

Time: 01.02.18-01.02.57

Student: Baba, mataji is saying that when disturbances begin everywhere, when the scenes and sceneries of the time of destruction begin, then how will we all gather?

Baba: When war broke out in Pakistan and Hindustan, rivers of blood flowed. So, how did they gather in Karachi? How did 300-400 gather? It has been said, those who had to catch the first train got it; those who had to reach, reached. Baba has said, You will get a trunk call. You will hear a sound, Go.

Student: Will we have to achieve that stage?

Baba: Yes.

समयः 01.03.18-01.06.47

जिज्ञासुः- माताजी बोल रही है - बाबा बोलते हैं सी.डी जब चलता है क्लास में...ये भी बात क्लीयर कर लेना ठीक है। नहीं तो *दुज़ते* रहते हैं, ये बात क्लीयर करना है। ....अभी जो बाबा भाई-मातायें सुभाष भाई, कामेश्वरी माता, अनंत भाई तीन बैठा है। बरोबर तीन ही बैठते है... । इसी में कोई डाउट... तो सुभाष भाई कैसे क्लीयर करे जब बाबा बोलते है भाई को क्लीयर नहीं करना कोई बात।

बाबा – क्लीयर नहीं करना है?

जिज्ञासु – क्लरिफिकेशन।

बाबा – भाईयों को ज्ञान दूसरों को सुनाना नहीं है । क्लारिफिकेशन। बाबा क्लास में बैठे हैं क्यों नहीं क्लारिफिकेशन कर रहे हैं?

जिज्ञासु- बाबा तो क्लारिफाय कर रहा है लेकिन उसी बात में मैं अपनी बुद्धि से बोलूँ ये डिफ़र कर सकते हैं बाबा?

बाबा – डिफ़र कर सकता है तो वो लिख कर के रखो और वहाँ लिखकर के भेजो - हमें ये बात समझ में नहीं आई है, इसका अर्थ ये है।

Time: 01.03.18-01.06.47

Student: Mataji is saying: Baba says that when a CD is played in the class… it is better to clarify this at the same time, otherwise they keep '*waiting*' that this issue is to be clarified. Baba, the three brothers and mothers who are sitting now – Subhash bhai, Kameshwari mata, Anant bhai. Among them if someone has a doubt, then how can Subhash bhai clarify, when Baba says that brothers should not clarify anything?

Baba: Shouldn't they clarify?
Student: Clarification.
Baba: Brothers should not give the clarification of knowledge to others. Baba is sitting in the class, is he not giving the clarification?
Student: Baba is clarifying, but if I speak about the same through my intellect, it can differ, can't it Baba?
Baba: It can differ; so note it down and send it there (to Baba's head office), 'I am not able to understand this. What does it mean?'

जिज्ञासु –माना गीता पाठशाला का निमित्त माता का कहना यही है कि सुभाष भाई जो बात जो थोड़ा बहुत हिंदी समझते हैं हमें भी उसको क्लीयर कर दे। पर बाबा ऐसे बोलते हैं कोई भाई को डायरेक्शन नहीं देना हैं।

बाबा – भाई को कम से कम ज्यों का त्यों ट्रान्सलेशन तो करना है। ज्ञान नहीं सुनाना है। अपना ज्ञान नहीं सुनाना है लेकिन बाबा ने जो कुछ बोला है वो ज्यों का त्यों असमिया भाषा में ट्रान्सलेट तो कर सकते हैं।

जिज्ञासु – वो तो है ही। तो वो कितना दिन चलेगा बाबा?

बाबा - क्या?

जिज्ञासु – लेकिन अपने को तैयार भी करना है बाबा का भाषा समझने के लिए।

बाबा – तैयार क्या करना हैं? अब इतने लोग बैठे हैं इनमें सबसे जास्ती कोई तो होगा जो जास्ती समझदार होगा, हिंदी बाबा जो बोलते हैं उसको ज्यादा समझे और समझकर के ट्रान्सलेशन करे। जो होशियार हो सो ट्रान्सलेशन करे।

जिज्ञासु – भाई, माता।

बाबा – वो कोई भी हो लेकिन मिक्स न करे। जो बाबा बोलते हैं शब्द-शब्द ज्यों का त्यों।

Student: The mother instrument of the *gitapathshala* says that with whatever little Hindi that Subhash bhai knows, he should clarify to us. But Baba says that brothers should not give directions.
Baba: The brothers should at least translate as it is. He should not narrate knowledge. He should not narrate his own knowledge, but he can translate whatever Baba has said as it is in the Assamese language.
Student: That is correct. How long will that continue Baba?
Baba: What?
Student: But we should also prepare ourselves to understand Baba's language.
Baba: What should we prepare? Now so many people are sitting, there must be someone who is more intelligent, and understands Hindi spoken by Baba and can translate it. The one who is intelligent can do translation.
Student: Brother or mother.
Baba: Whoever it is, but he should not mix [anything his own]. Whatever Baba speaks word by word as it is.

जिज्ञासु – इसी कारण से बाबा सुभाष भाई क्लीयर नहीं करता माना कोई।

बाबा – क्यों नहीं क्लीयर करते? क्लीयर नहीं करना-2 बाबा ने जो कुछ बोला है ज्यों का त्यों उसका अनुवाद करना।

जिज्ञासु –माताजी को तो बाबा भाषा का प्रॉबलेम है ना यही पूछते हैं। हमको भी पूछते हैं ये क्या बोला मुरली में आया है, कैसेट में क्या आया है? ऐसे तो हम ट्रान्सलेट कर देते हैं।

बाबा – तो जो हिंदी जानता हो वो अनुवाद करे।

Student: Baba it is for this reason that Subhash bhai does not clarify anything.
Baba: Why doesn't he clarify? He should not clarify, but translate whatever Baba has said as it is.
Student: Baba, mataji has a language problem. That is why she asks. She asks us as well that what is the meaning of these words mentioned in the Murlis, in cassettes? As such, we translate.

जिज्ञासु - ये माताजी को बहुत दुख होता है कभी-2 सुभाष भाई आसामी में बोलने ही नहीं देते। प्रॉबलेम है, श्रीमत नहीं है।

बाबा – श्रीमत में ये नहीं ।अपनी बात किसी को मत सुनाओ। लेकिन बाबा जो कुछ बोल रहे हैं उसका तो अनुवाद कर सकते हैं।

जिज्ञासु – वो तो हो जाता है। कहा जाता है कभी-2 बोला जाता है।

बाबा – बाबा ने जो कुछ बोला उस बात को हमने कुछ और तरीके से समझा, दूसरे और तरीके से समझे वो तरीका नहीं। जैसा बोला है शब्द-शबद्ध उसका वैसा ही अनुवाद कर के कि बाबा ने ऐसा बोला। उसका अर्थ कर के नहीं समझाना, डीटेल नहीं।

Student: This mataji feels very bad sometimes that Subhash bhai does not allow anyone to speak in Assamese. There is a problem. It is not in accordance with Shrimat.
Baba: Shrimat does not say that. [Shrimat says] You should not communicate your thoughts to anyone., but you can translate whatever Baba is speaking.
Student: That happens. Sometimes it is said.
Baba: If I understand whatever Baba said in a different way and another person understands it in a different way, then that is not a proper way. You should translate whatever Baba has spoken word by word, that Baba has said in this way. You should not explain it, should not give details.

……………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.